OPTIMUM POPULATION

Vishal
M.S.J. College

अनुकूलतम या आदर्श जनसंख्या

अनुकूलतम जनसंख्या की विचारधारा को सर्वप्रथम अर्थशास्त्री सिजविक ने प्रस्तुत किया। पर 'अनुकूलतम' शब्द का प्रयोग नहीं किया। बाद में कैनन, डाल्टन, रॉबिन्स, कार सैण्डर्स आदि ने इसकी व्याख्या विभिन्न नामों से की।

सर्वप्रथम 18 वीं सदी में कैण्टीलॉन (Cantillon) ने किसी निश्चित क्षेत्र में किसी निश्चित समय में वहां के प्राकृतिक संसाधनों के अनुरूप "उच्चतम जीवन स्तर" को बनाए रखनेवाले लोगों की संख्या को "अनुकूलतम जनसंख्या" कहा। किसी क्षेत्र के पाए संसाधनों (Environmental resoursesss) और वहाँ की जनसंख्या द्वारा उनके उपयोग में जितना अधिक संतुलन होगा, वहां के लोग उतना ही सुखी-समृद्ध होंगे।

अनुकूलतम जनसंख्या से "अधिकतम उत्पादन" (Robins) "प्रतिव्यक्ति अधिकतम आय" (Dalton) और "अधिकतम आर्थिक कल्याण" (Carr Saunders) ही नहीं बल्कि अधिकतम सामाजिक-सांस्कृतिक कल्याण भी होता है।

वहां के प्रा० संसाधन से कम (under population) या अधिक जनसंख्या (over Population) होना भी श्रेयस्कर नहीं है। इससे मानव वातावरण सामंजस्य (co-relation) और संतुलन (Ecological balance) बिगड़ जाएगा। कम होने से संसाधनों का समुचित शोषण नहीं होगा। जनसंख्या अत्यधिक (Population Explosion) होगा तो T.R. Malthus के अनुसार वह क्षेत्र "दरिद्रता, अकाल, बीमारी, युद्ध आदि से ग्रस्त हो जाएगा, क्योंकि जनसंख्या ज्यामितीय (Geometrical) और जीविका के साधन अंकगणितीय (Arithmetical) अनुपात में बढ़ते हैं। इसमें उत्पादन-ह्रास का नियम लागू हो जाएगा और

Input के अनुपात में Output नहीं हो पाएगा।

श्री. Dalton के अनुसार अनुकूलतम जनसंख्या -

सूत्र → $M = \frac{A - O}{O}$

M = Maladjustment (असंतुलन), A = Actual Population (वास्तविक जनसंख्या), O = Optimum Population (अनुकूलतम जनसंख्या)

अर्थात्

असंतुलन (मात्रा की कुशलता) = $\frac{\text{वास्तविक जनसंख्या} - \text{अनुकूलतम ज०}}{\text{अनुकूलतम जनसंख्या}}$

यदि संतुलन शून्य है तो उस प्रदेश की जनसंख्या अनुकूलतम होगी। यदि शून्य (संतुलन) से अधिक (+) है तो जनाधिक्य (Over-population) और कम (−) है तो Under population होगी।

अतः जनसंख्या और संसाधनों में समानुपातिक संबंध होना चाहिए।

- आलोचनाएँ →

(i) यह सिद्धांत सर्वभौम न होकर किसी प्रदेश विशेष के लिए ही सही है, क्योंकि विभिन्न प्रदेशों में विभिन्न रीति-रिवाज, तकनीकी और सामाजिक-सांस्कृतिक दशाओं के कारण "अनुकूलतम जनसंख्या" के पृथक् माप-दण्ड हैं।

(ii) अनुकूलतम जनसंख्या का अनुमान लगाना कठिन है क्योंकि वैज्ञानिक विकास के कारण अनुकूलतम संख्या स्थिर (static) न होकर गतिशील (Dynamic) रहती है "जनसंख्या की अनुकूलतम बिन्दु स्थिर नहीं रहती।

Scanned with CamScanner

यह संसाधन-उपयोग की विधि, आर्थिक और तकनीकी दशा पर निर्भर करता है।

Middle East देशों में 1930 ई० में खनिज तेल के अकस्मात् मिलने से आर्थिक लाभ के कारण वहाँ अनुकूलतम जनसंख्या की सीमा काफी बढ़ गई है। पर जनवृद्धि जब संसाधनों की सीमा पार कर जाएगी तो उत्पादन और लाभ में ह्रास होने लगेगा।

-(iii) अनुकूलतम जनसंख्या के लिए संख्या नहीं, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य, आयु, श्रम-शक्ति अधिक प्रभावी है। अतः अनुकूलतम जनसंख्या की सीमा समय और समाज के साथ बदलती रहती है।

-(iv) कई अधिकतम आबाद, एवं सीमित प्राकृतिक संसाधन वाले प्रदेशों (जैसे- भारत) में "अनुकूलतम जनसंख्या" के लिए संसाधनों का अविवेकी शोषण भावी पीढ़ी के लिए दुखदायी होगा, क्योंकि :—

"The optimum population of man is the maximum that can be maintained indefinitely without detriment" to Man and Nature".

उ०-प० यूरोप के अधिकांश देश "अनुकूलतम जनसंख्या की इस आदर्श स्थिति में है। वहाँ प्रा० संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग हो रहा है।